2. अज्ञेय की कविता 'द्वितीया' की समीक्षा कीजिए। 14

अथवा

अज्ञेय व्यक्तिवादी चेतना के कवि हैं, पठित कविताओं के आधार पर विचार कीजिए ।

3. मुक्तिबोध की अंधेरे में कविता का विश्लेषण कीजिए। 14

अथवा

अंधेरे में कविता में अभिव्यक्त मोहभंग का विवेचन कीजिए।

4. पठित कविताओं के आधार पर नागार्जुन के यथार्थबोध का वर्णन कीजिए। 14

अथवा

भवानी प्रसाद मिश्र की कविता 'सतपुड़ा के जंगल' का मुख्य संदेश क्या है, बताईए।

5. पठित रचनाओं के आधार पर विचार कीजिए कि केदारनाथ सिंह की कविता जीवन के द्वन्द्व को प्रकट करती है। 14

अथवा

धूमिल की कविता 'पटकथा' में प्रकट सामाजिक यथार्थ का चित्रण कीजिए।

★★★

PG Even Semester Examination, May 2025

HINDI

4th Semester

Course No. HIN-651

आधुनिक काल (छायावाद के बाद)

Full Marks: 70

Pass Marks: 28

Time: 3 hours

सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रसंगों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 7×2 = 14

क) नदी, तुम बहती चलो
भूखण्ड से जो हमको मिला है
मिलता रहा है
माँजती, संस्कार देती चलो
यदि ऐसा कभी हो
तुम्हारे आह्लाद से या दूसरों के किसी
स्वैराचार से- अतिचार से
तुम बढ़ो, प्लावन तुम्हारा घरघराता उठे
यह स्रोतस्विनी ही कर्मनाशा कीर्तिनाश घोर
काल प्रवाहिनी बन जाए।

(Turn over)

ख) चेहरे वे मेरे जाने-बूझे से लगते
उनके चित्र समाचारपत्रों में छपे थे,
उनके लेख देखे ते,
यहाँ तक की कविताएँ पढ़ी थीं
भई वाह
उनमें कई प्रकाण्ड आलोचक, विचारक, जगमगाते
कवि गण
मंत्री भी, उद्योगपति और विद्वान
यहाँ तक की शहर का हत्यारा कुख्यात
डोमा जी उस्ताद।

ग) कहाँ गए धनपति कुबेर वह
कहाँ गई उनकी वह अलका
नहीं ठिकाना कालिदास के
व्योम प्रवाही गंगाजल का
ढूँढा बहुत किन्तु लगा क्या
मेघदूत का पता कहीँ पर
कौन बताए वह छायामय
बरस पड़ा होगा न यहीं पर
जाने दो वह कवि कल्पित था,
मैंने तो भीषण जाड़ों में
नभ चुम्बी कैलाश शार्ष पर,
महा मेघ को झंझानिल से
गरज-गरत भिड़ते देखा है।

घ) चौड़ी सड़क गली पतली थी
दिन का समय घनी बदली थी
रामदास उस दिन उदास था
अंत समय आ गया पास था
उसे बता यह दिया गया था
उसकी हत्या होगी
धीरे धीरे चला अकेले
सोचा साथ किसी को ले ले
फिर रह गया, सड़क पर सब थे
सभी मौन थे सभी निहत्थे
सभी जानते थे यह
उस दिन उसकी हत्या होगी।

ङ) जब भी याद आता वह विशाल दीर्घायु वृक्ष
आद आते उपनिषदः याद आती
एक स्वच्छ सरल जीवन शैलीः उसकी
सदा शान्त छाया में एक विचित्र- सी
उदार गुणवत्ता जो गर्मी में शीतलता देती
और जाड़ो में गर्माहट।
याद आती एक तीखी
पर मित्र- सी सोंधी खुशबू,
जैसे बाबा का स्वभाव।

(Turn over)